B.A. 3rd Semester (Honours) Examination, 2019 (CBCS)

Subject : Sanskrit

Paper : SEC-I

Time: 2 Hours **Full Marks: 40**

The figures in the margin indicate full marks.

Candidates are required to give their answer in their own words as far as practicable.

प्रश्नपत्रेऽस्मिन् Group-'A' and Group-'B' इति विभागद्वयं वर्तते। प्रथमत: परीक्षार्थिभि: सावधानतया स्वपठित एको विभागो निश्चेतव्य:। ततश्च यथा निर्देशं प्रश्ना: समाधातव्या:।

এই প্রশ্নপত্রে Group-'A' এবং Group-'B'-এই দুটি বিভাগ বর্তমান। পরীক্ষার্থীরা উল্লিখিত দুটি বিভাগের মধ্যে তাদের পঠিত একটি বিভাগ থেকে প্রশ্নগুলির উত্তর দেবেন।

Group-'A'

Basic Sanskrit

1. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु *पञ्चानां* प्रश्नानाम् उत्तरं देवनागरीलिपिमाश्रित्य सुरगिरा प्रदेयम्। 2×5=10

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে *যে কোনো পাঁচটি* প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় দেবনাগরী লিপিতে লিখতে হবে।

(a) निम्नलिखितेषु पदेषु कस्यचित् पद*द्वयस्य* वचनं विभक्तिं च निरूपयत।

নিম্নলিখিত পদগুলির মধ্যে যে কোনো দুটি পদের বচন ও বিভক্তি নির্ণয় করো।

देवानाम्, मुनिभि:, साधौ, भ्रातरम्।

(b) निम्नलिखितेषु *द्वयो:* द्वितीयाद्विवचने रूपं लिखत।

নিম্নলিখিত শব্দগুলির মধ্যে যে কোনো দুটি শব্দের দ্বিতীয়াবিভক্তির দ্বিবচনের রূপ লেখো।

अस्मद्, सखि, धेनु, अक्षि।

(c) अधस्तनेषु द्वयो: लोटि मध्यमपुरुषद्विवचने रूपं लेखनीयम्।

নিম্নলিখিত ধাতুগুলির মধ্যে যে কোনো দুটি ধাতুর লোট্ লকারের মধ্যম পুরুষের দ্বিবচনগত রূপ লেখো।

दृश्, पच्, सेव्, गम्

(d) प्रदत्तेषु धातुरूपेषु *द्वयोः* पुरुषं वचनं च निर्दिशत।

নিম্নলিখিত ধাতুরূপগুলির মধ্যে যে কোনো *দুটি* ধাতু রূপের পুরুষ ও বচন নির্ণয় করো।

कुरु, गच्छेयुः, अभवन्, सेवे।

(e) ब्राह्मीलिपिमाश्रित्य पदद्वयं लिख्यताम्।

নিম্নলিখিত পদগুলির মধ্যে যে কোনো *দুটি* পদকে ব্রাহ্মীলিপিতে রূপান্তরিত করে লেখো।

पाणिपादम्, राजपथः, वैयाकरणः, यथाविधि।

(f) उचितं पदं योजयित्वा रिक्तस्थानानि पूरयन्तु।

যোগ্য পদের দ্বারা শূন্যস্থান পূরণ করো।

(i) साधवः मिथ्या न ________ (वदति/वदन्ति)

(ii) त्वं किं ________? (करोषि/करोति)

(g) ग्रामान्तरं गमनकाले कः ब्रह्मदत्तस्य सहायकः अभवत्? सः सहायकः कुत आनीतः?

গ্রামান্তরে গমনকালে কে ব্রহ্মদত্তের সহায়ক হয়েছিলেন? ওই সহায়ককে কোথা থেকে আনা হয়েছিল?

(h) ब्रह्मदत्तः कुत्र प्रसुप्तः अभवत्? प्रबुद्धः सन् सः किम् अपश्यत्?

ব্রহ্মদত্ত কোথায় ঘুমিয়েছিলেন? জাগরণের পর তিনি কী দেখেছিলেন?

2. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु प्रश्नद्वयं समाधेयम्। 5×2=10

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে *যে কোনো দুটি* প্রশ্নের উত্তর দাও।

(a) निम्नलिखितेषु *पञ्च*पदानि व्यवहृत्य सरलेन संस्कृतेन वाक्यानि रचयत।

নিম্নলিখিত পদগুলির মধ্যে *পাঁচটি* পদ ব্যবহার করে সংস্কৃত ভাষায় বাক্যগঠন করো।

अश्वौ, सभायाम्, मुनेः, मया, पश्यसि, अपठत्, सर्वे।

(b) *पञ्चानां* वाक्यानां संशोधनं कुरुत।

যে কোনো পাঁচটি বাক্য সংশোধন করে লেখো।

(i) राजा न्यायेन प्रजान् शास्ति।

(ii) ते वाक्यं मह्यं न रोचते।

(iii) वृद्धस्य प्राणः अस्थिरो भवति।

(iv) रामचन्द्रः पितास्य आदेशेन वनं गतः।

(v) चत्वारः बालिकाः नृत्यन्ति।

(vi) साधुनां हृदयं पवित्रः।

(vii) अतिथ्यः फलान् खादन्ति।

(c) मातृभाषायामनुवद।

মাতৃভাষায় অনুবাদ করো ঃ

तं दृष्ट्वा व्यचिन्तयत् कर्कटेनायं हतः। इति प्रसन्नो भूत्वाब्रवीत्-भोः सत्यमभिहितं मम मात्रा यत् पुरुषेण कोऽपि सहायः कार्यो नैकाकिना गन्तव्यम्। यतो मया श्रद्धापूरितचेतसा तद्वचनमनुष्ठितम्। तेनाहं कर्कटेन सर्पव्यापादनाद् रक्षितः।

(d) ब्राह्मीलिप्यां नासिक्यवर्णाः लेख्याः।

নাসিক্যবর্ণগুলি ব্রাহ্মীলিপিতে লেখো।

3. निर्देशानुसारं प्रश्नद्वयं समाधेयम्।

নির্দেশ অনুসারে *যে কোনো দুটি* প্রশ্নের উত্তর দাও ঃ 10×2=20

(a) मातृभाषया अनावादो विधेयः।

মাতৃভাষায় অনুবাদ করো।

सूर्योऽस्तं गतः। क्रमेण निशागता। तमसावृते कानने स पान्थः पथभ्रान्तः अभवत्। सहसा दूरात् आलोकं दृष्ट्वा स तदभिमुखं सरति स्म। समीपमागत्य स एकं कुटीरमपश्यत्। नितरां परिश्रान्तः सः। रात्रौ विश्रामार्थं किमपि स्थानमावश्यकमासीत् तस्य। स द्वारसमीपमागत्य कपाटे कराघातमकरोत्। सहसा द्वारे उन्मोचिते दीपहस्तां काञ्चित् नारीं दृष्ट्वा सोऽतीव विस्मितोऽभवत्।

(b) संस्कृतभाषया अनुवादः करणीयः।

সংস্কৃতভাষায় অনুবাদ করো।

আজ প্রভাতে শয্যা ত্যাগ করে আমি সরোবরের নিকটস্থ উদ্যানে ভ্রমণ করতে গিয়েছিলাম। তখন সূর্য উদিত হয়েছিল এবং তৃণের উপর শিশির বিন্দুগুলি শোভা পাচ্ছিল। মৃদুমন্দ বাতাস বইছিল এবং পাখিরা মধুর কূজন করছিল। কিছুক্ষণ ইতস্ততঃ ভ্রমণ করে আমি শীতল সমীরণে সুখ অনুভব করলাম।

(c) अधोलिखितानां ब्राह्मीलिप्यां परिवर्तनं विधेयम्।

অধোলিখিত বাক্যগুলিকে ব্রাহ্মীলিপিতে পরিবর্তিত করো।

(i) अलसः दुःखं लभते।

(ii) बालकः विद्यालयं गच्छति।

(iii) सदा सत्यं वद।

(iv) तानि मधुराणि फलानि।

(v) भ्रमराः पुष्पेभ्यः मधु पिबन्ति।

(d) 'भोः सत्यमभिहितं मम मात्रा'– अत्र मात्रा किम् अभिहितम्? मातुः वचनमनुसृत्य वक्ता कथं रक्षितः अभवत्? इति पठितकथानकमनुसृत्य प्रतिपाद्यताम्।

'भोः सत्यमभिहितं मम मात्रा'— এখানে মা কী বলেছিলেন? মায়ের কথা শুনে বক্তা কীভাবে রক্ষা পেয়েছিলেন তা পঠিত কথানক অনুসরণে বর্ণনা করো।

Group-'B'

Ethical and Moral Issues

2×5=10

1. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु *पञ्चानां* प्रश्नानाम् उत्तरं देवनागरीलिप्यां सरलया सुरगिरा प्रदेयम्।

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে *যে কোনো পাঁচটি* প্রশ্নের উত্তর সরল সংস্কৃত ভাষায় দেবনাগরী লিপিতে লিখতে হবে।

(a) शाल्मली तरुः कुत्र अस्ति? तत्र के निवसन्ति?

শিমূল বৃক্ষ কোথায় আছে? সেখানে কারা বসবাস করে?

(b) कपोतराजस्य नाम किम्? आकाशे परिभ्रमन् सः किमवलोकयामास?

কপোতরাজের নাম কী? আকাশে পরিভ্রমণ করতে করতে সে কী দেখেছিল?

(c) पथिकः केन प्रकारेण प्राणान् तत्याज?

পথিক কীভাবে প্রাণ ত্যাগ করেছিল?

(d) 'सखे! अस्माकं प्राक्तनजन्मकर्मणः फलमेतत्'– कं प्रति कस्योक्तिरियम्? तत् फलं किमासीत्?

'सखे! अस्माकं प्राक्तनजन्मकर्मणः फलमेतत्'— কে কাকে একথা বলেছে? ওই ফলটি কী ছিল?

(e) शरीरगुणयोः प्रभेदः प्रतिपादनीयः।

শরীর ও গুণের মধ্যে পার্থক্য নির্ণয় করো।

(f) पिङ्गलसञ्जीवकयोः परिचयः प्रदीयताम्।

পিঙ্গলক ও সঞ্জীবকের পরিচয় দাও।

(g) दुन्दुभिं निकषा गत्वा शृगालः किमचिन्तयत्?

দাদামার নিকট গিয়ে শৃগাল কী চিন্তা করেছিল?

(h) राजदेवयोः पार्थक्यं निरूप्यताम्।

রাজা ও দেবতার মধ্যে কী পার্থক্য?

2. अधोलिखितेषु *द्वयोः* प्रश्नयोः समाधानं कर्तव्यम्। 5×2=10

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে *যে কোনো দুটি* প্রশ্নের উত্তর দাও।

(a) मातृभाषया अनुवादो विधेयः।

মাতৃভাষায় অনুবাদ করো।

सुजीर्णमन्नं सुविचक्षणः सुतः
सुशासिता स्त्री नृपतिः सुषेवितः।
सुचिन्त्य चोक्तं सुविचार्य्य यत् कृतं
सुदीर्घकालेऽपि न याति विक्रियाम्।।

Or,

पर्यन्तो लभ्यते भूमेः समुद्रस्य गिरेरपि।
न कथञ्चिन्महीपस्य चिन्तान्तः केनचित् क्वचित्।।

(b) *कस्यचिदेकस्य* सरलसंस्कृतेन व्याख्या कार्या।

যে কোনো একটির সরল সংস্কৃত ভাষায় ব্যাখ্যা করো।

धनानि जीवितञ्चैव परार्थे प्राज्ञ उत्सृजेत्।
सन्निमित्ते वरं त्यागो विनाशे नियते सति।।

Or,

न विश्वासं विना शत्रुर्देवानामपि सिध्यति।
विश्वासात् त्रिदशेन्द्रेण दितेर्गर्भो विदारितः।।

(c) उचितं पदं योजयित्वा रिक्तस्थानानि पूरणीयानि।

উপযুক্ত পদ দিয়ে শূন্যস্থান পূরণ করো।

(भद्राणि, संहतिः, सुभृत्यस्य, ललाटे, बुद्ध्या)

(i) लिखितमिह ________ प्रोज्झितुं कः समर्थः।

(ii) अल्पानामपि वसूनां ________ कार्यसाधिका।

(iii) न संशयमनारुह्य नरो ________ पश्यति।

(iv) कार्यं संसिद्धिमभ्येति यथा ________ प्रसाधितम्।

(v) स्वाम्यादेशात् ________ न भीः सञ्जायते क्वचित्।

(d) कः यथार्थः पण्डितः?

কে যথার্থ জ্ঞানী?

3. यथानिर्देशं प्रश्नद्वयं समाधेयम्। 10×2=20

যে কোনো দুটি প্রশ্নের উত্তর দাও :

(a) 'तन्मया भद्रं न कृतं यदत्र मारात्मके विश्वासः कृतः'– इत्यत्र 'मारात्मकः' कः? केन मारात्मके विश्वासः कृतः? कथं मारात्मकेन विश्वासः समुत्पादितः? विश्वासस्य फलं किमभवत्? 1+1+4+4=10

'तन्मया भद्रं न कृतं यदत्र मारात्मके विश्वासः कृतः'— এখানে 'मारात्मकः' কে? কে 'मारात्मकः' কে বিশ্বাস করেছিল? 'मारात्मकः' কীভাবে বিশ্বাস উৎপাদন করেছিল? বিশ্বাসের ফল কী হয়েছিল?

(b) पठितकथामनुसृत्य 'मित्रलाभः' इति नामकरणस्य सार्थकतां निरूपयत। 10

পঠিত কথার অনুসরণে 'मित्रलाभः' এই নামকরণের সার্থকতা নিরূপণ করো।

(c) 'विपत्काले विस्मय एव कापुरुषलक्षणम्, तदत्र धैर्य्यमवलम्ब्य प्रतिकारश्चिन्त्यताम्'– इत्यत्र केषां विपदः कथा उल्लिखिता? विपदः परित्राणं कथमभवत्? इति पठितकथामाधारीकृत्य वर्णयत। 2+8=10

'विपत्काले विस्मय एव कापुरुषलक्षणम्, तदत्र धैर्यमवलम्ब्य प्रतिकारश्चिन्त्यताम्'— এখানে কাদের বিপদের কথা উল্লিখিত হয়েছে? বিপদ থেকে পরিত্রাণ কীভাবে পাওয়া গেছে তা পঠিত কথাকে অনুসরণ করে বর্ণনা করো।

(d) 'पिङ्गलक आह– यद्येवं तर्ह्यमात्यपदेऽध्यारोपितस्त्वम्'– इत्यत्र कः अमात्यपदे अध्यारोपितः? कथं सः श्रेष्ठः अमात्यः अभवत्? इति शृगालदुन्दुभिकथामुररीकृत्य विशदयत।

2+8=10

'पिङ্গलक आह– यद्येवं तर्ह्यमात्यपदेऽध्यारोपितस्त्वम्'— এখানে কে অমাত্য পদে নিয়োজিত হয়েছিল? কীভাবে সে শ্রেষ্ঠ অমাত্য হয়েছিল তা 'শৃগালদুন্দুভিকথা'র অনুসরণে বিস্তারিত আলোচনা করো।